अव्यय किसे कहते हैं?

ऐसे शब्द जिसमें लिंग , वचन , पुरुष , कारक आदि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता वह शब्द अव्यय कहलाते हैं। यह सदैव अपरिवर्तित , अविकारी एवं अव्यय रहते हैं।

जैसे- जब, तब, अभी, उधर, वहाँ, इधर, कब, क्यों, वाह, आह, ठीक, अरे, और, तथा, एवं, किन्तु, परन्तु, बल्कि, इसलिए, अतः, अतएव, चूँकि, अवश्य, अर्थात इत्यादि।

अव्यय के उदाहरण

1. वे यहाँ से चले गये।
2. घोडा तेज दौड़ता है।
3. अब खाना बंद करो।
4. बच्चे धीरे-धीरे चल रहे थे।
5. वे लोग रात को जगे।
6. रोहन प्रतिदिन खेलने जाता है।
7. वह यहाँ रखा है।
8. रमेश प्रतिदिन पढ़ता है।
9. राधा सुंदर लिखती है।
10. मैं बहुत थक गया हूँ।
11. वह अपना काम कर रहा है।
12. वह नित्य नहाता है।
13. वे कब गए।
14. मीना कल जाएगी।
15. वह प्रतिदिन पढ़ता है।
16. मैं कहाँ जाऊं ?
17. राधा कहाँ गई ?
18. राहुल नीचे बैठा है।
19. इधर -उधर मत जाओ।
20. वह आगे चला गया।
21. उधर मत जाओ।

Avyay के भेद

अव्यय शब्दों के मुख्य तक पांच भेद होते हैं:

- क्रिया विशेषण अव्यय
- संबंधबोधक अव्यय
- समुच्चयबोधक अव्यय
- विस्मयादिबोधक अव्यय
- निपातअव्यय

Avyay को और भी अधिक समझने के लिए उनके भेदों को अच्छे से समझने की आवश्कता है तो आइए Avyay के बारे में जानते है:

क्रियाविशेषण अव्यय किसे कहते हैं

जो अव्यय शब्द क्रिया की विशेषता का बोध कराते हैं उन्हें क्रियाविशेषण अव्यय कहते हैं।

जैसे-अचानक आ गया।

परसों घर जाओगे।

शीघ्र जाओ।

इन वाक्यों में अचानक, परसों व शीघ्र क्रिया विशेषण अव्यय हैं।

क्रिया विशेषण अव्यय **Avyay** के भेद

- कालवाचक क्रिया विशेषण अव्यय
- स्थानवाचक क्रिया विशेषण अव्यय
- परिमाणवाचक क्रिया विशेषण अव्यय
- रीतिवाचक क्रिया विशेषण अव्यय

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण अव्यय

जिन शब्दों से क्रिया होने के समय का पता चलता है उन्हें कालवाचक क्रिया विशेषण अव्यय कहते हैं।

जैसे- शाम, सुबह, दोपहर आदि।

(ख) स्थानवाचक क्रिया विशेषण अव्यय

जिन अव्यय शब्दों से क्रिया के होने के स्थान का पता चलता है उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण अव्यय कहते हैं।

जैसे- यहां, वहां,जहां,तहां, कहां आदि।

(ग) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण अव्यय

जिन शब्दों से क्रिया के नापतोल माप अथवा परिमाण का पता चलता है उन्हें परिमाणवाचक क्रिया विशेषण अव्यय कहते हैं। जैसे- बहुत, थोड़ा, जरा सा ,कम आदि।

(घ) रीतिवाचक क्रिया विशेषण अव्यय

जिन शब्दों से क्रिया के होने की रीति या विधि का पता चलता हो, उन्हें रीतिवाचक क्रिया विशेषण अव्यय कहते हैं।

संबंधबोधक अव्यय (Avyay) किसे कहते हैं?

जिन अव्यय शब्दों के द्वारा वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे शब्दों से प्रकट होता है, उन्हें सम्बन्धबोधक अव्यय कहते हैं। जैसे- के साथ, पास, आगे, समान, सामने,बाहर, कारण,तुल्य,सदृश आदि।

समुच्चयबोधक अव्यय किसे कहते हैं?

जो अव्यय दो या दो से अधिक शब्दों वाक्यांशों अथवा वाक्यों को आपस में जोड़ते हैं या पृथक करते हैं उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं।

जैसे- माता और पिता सो रहे हैं।

आम या केला खाओ।

इन वाक्यों में 'और' व 'या' समुच्चयबोधक अव्यय हैं।

समुच्चयबोधक अव्यय के भेद:

- संयोजक-और तथा एवं जो अथवा या यथा पुनः आदि।
- विभाजक-किंतु परंतु लेकिन बल्कि ताकि क्योंकि वरना आदि।

विस्मयादिबोधक अव्यय किसे कहते हैं?

जिन अवयव शब्दों से 'हर्ष','शोक', 'घृणा', 'आश्चर्य', 'भय' आदि का भाव प्रकट होता है उन्हें विस्मयादिबोधक अभी कहते हैं। जैसे-छि:! अरे ! वाह ! हाय ! अहा ! धिक् आदि।

निपात अव्यय किसे कहते हैं?

जो अव्यय शब्द किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ या अभाव में विशेष बल देते हैं, उन्हें निपात अव्यय कहते हैं। शब्दों के बाद में पढ़ने से ही उन्हें निपात कहते हैं।

जैसे- ही,भी,तक।

FAQ

अव्यय के भेद कितने होते हैं?

अव्यय शब्दों के मुख्य तक पांच भेद होते हैं:

क्रिया विशेषण अव्यय

संबंधबोधक अव्यय

समुच्चयबोधक अव्यय

विस्मयादिबोधक अव्यय

निपात अव्यय

अव्यय शब्द कौन कौन से होते हैं?

जब, तब, अभी, उधर, वहाँ, इधर, कब, क्यों, वाह, आह, ठीक, अरे, और, तथा, एवं, किन्तु, परन्तु, बल्कि, इसलिए, अतः, अतएव, चूँकि, अवश्य, अर्थात इत्यादि।

अवयव क्या होता है?

ऐसे शब्द जिसमें लिंग , वचन , पुरुष , कारक आदि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता वह शब्द अव्यय कहलाते हैं। यह सदैव अपरिवर्तित , अविकारी एवं अव्यय रहते हैं।

क्रिया विशेषण अव्यय के कितने भेद हैं?

कालवाचक क्रियाविशेषण अव्यय

स्थानवाचक क्रियाविशेषण अव्यय

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण अव्यय

रीतिवाचक क्रियाविशेषण अव्यय

संबंधबोधक अव्यय क्या है?

जिन अव्यय शब्दों के द्वारा वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे शब्दों से प्रकट होता है, उन्हें सम्बन्धबोधक अव्यय कहते हैं। जैसे- के साथ, पास, आगे, समान, सामने,बाहर, कारण,तुल्य,सदृश आदि।